भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 1
जनवरी 2019

अनुक्रमणिका

पृ.सं.

01 अनुसंधान निष्कर्ष
02 वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला
03 कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
04 प्रशिक्षण कार्यक्रम
06 आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
07 प्रकृति कार्यक्रम
07 पुरस्कार
08 जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम
08 परामर्शी
08 मानव संसाधन समाचार

अनुसंधान निष्कर्ष :

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- माऊन्ट आबु, राजस्थान के राजभवन क्षेत्र में अभिलिखित कुछ स्थानिक प्रजातियां नामतः *एसपेरागस एथिओपिकस, ए.सेटाइएस, होल्मस्किओलडिआ सैंग्विनी, रूस्सेलिआ इक्विसेटिफोर्मिस, सोलानम सिफोर्थिएनम* इत्यादि हैं।
- जोधपुर जिले के चारों–ओर तथा पौधशालाओं से एकत्रित तथा चिन्हित कीट/नाशी–कीट निम्नलिखित हैं : हेमीप्टेरन रस चूषक शल्ली कीट *नेजारा विरिड्यूला* (पैनटेटोमिडी), *कोरिडिएस जेनूस* (डिनिडोरिडि), *डिसडेरकस सिनगूलेटस* (पायरहोकोरिडि), *क्राइसोकोरिस* प्रजा. (स्कूटेलिटिरिडि) तथा; *साल्वाडोरा पर्सिका, कैसिया फिस्टुला* तथा *कैप्पैरिस डेसिडुआ* पर लेपीडोप्टेरन निष्पत्रक *एरिएडिनी मेरिओनि* (निमफैलिडि) तथा *कोलोटिस इट्रिडा* (पिएरिडी); *प्रोसोपिस सिनेरेरिआ,* पर *यूक्राइसोपस सिनेजस* (लायासिनिडी); *एल्बीजिआ लेबेक* पर *डेनस क्राइसिपस* (निमफैलिडि)। *एडोनियम* प्रजा. शीशम तथा *साइट्रस* प्रजातियों पर रस चूषकों के साहचर्य में पायी जाने वाली परभक्षी *चीलोमनेस सेक्समैक्यूलाटा* (कोक्सिनेलिडि) की एक प्रजाति को भी चिन्हित किया गया।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- मृदा जैव कार्बन तथा उपलब्ध पोषक–तत्व स्थिति पर वनाग्नि के प्रभाव पर अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि उत्तराखण्ड के टोंस वन प्रभाग में 2017–18 पश्च वनाग्नि काल में दग्ध तथा अदग्ध चीड़–पाइन वनों में उपलब्ध N,P तथा K में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। हालांकि, दग्ध वन स्थलों में, प्रथम पश्च–वनाग्नि वर्ष के दौरान मृदा जैव कार्बन (एस.ओ.सी.) में समग्र वृद्धि देखी गई जोकि प्रज्वलन पश्चात जैविक सामग्री के स्व–स्थाने परिवर्धन के कारण हो सकती है। उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती साल वन तथा हिमालयी उपोष्ण देवदार वनों में मृदा पोषक–तत्व भण्डार के लिए मृदा pH में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं महसूस किया गया। जबकि, हिमालयी उपोष्ण देवदार वनों की तुलना में उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती साल वनों मे ऊपरी मृदा गहराई में थोड़ा अधिक SOC तथा उच्च उपलब्ध N महसूस किए गए। उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती साल वनों में हिमालयी उपोष्ण देवदार वनों की तुलना में उपलब्ध P तथा K उच्च थे।
- हरियाणा के कैथल व फतेहाबाद जिलों तथा पंजाब के मुक्तसर तथा भटिंडा जिले से एकत्रित मृदा नमूनों से कुल 250 बैक्टीरियल कॉलोनियों को पृथक किया गया। निम्न गहराइयों (30–60 तथा 60–90 से.मी.) में मृदा सूक्ष्म जीव–जंतुओं में बदलाव हुआ तथा मृदा को स्पोर फार्मिंग ग्राम पॉजीटिव बैक्टीरिया द्वारा अधिग्रहीत किया गया था और निम्न गहराइयों में उच्च मृदा pH में उनकी उत्तरजीविता बनाए रखने का यह एक कारण हो सकता है।
- हरियाणा से विभिन्न वानिकी वृक्षों : *कैसिया फिस्टुला, टैक्टोना ग्रैंडिस,* तथा *डेलबर्जिया सिस्सू* से लेपीडोपटेरस लार्वा/कोकून के पाँच नमूने एवं *यूटेक्टोना मैचेएरेलिसे* उनके प्रयोगशाला पालन हेतु एकत्रित किए गए जोकि *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्गम हेतु जारी रहा तथा कुछ अभिज्ञ लेपीडोपटेरस लार्वा भी पाले गए। एपेनटेलस के 20 प्रतिरूपों का उद्भव हुआ। दो प्रजातियां यथा *ए. दार्जीलिंगेनसिस, ए. निलमबुर्रेनसिस* को प्रजाति स्तर तक चिन्हित किया गया। *एपेनटेलस निलमबुर्रेनसिस, ए. दार्जीलिंगेनसिस* के विभिन्न वर्गिकी संरचनाओं के छायाचित्र उनके विस्तृत सूक्ष्मदर्शी संरचनाओं हेतु लिए गए, जोकि चिन्हीकरण में सहायक होगा। *हिबालिया प्यूरा* (सागौन निष्पत्रक) से उद्गमित *ए. रूईडस* का एस.ई.एम. छायाचित्रण भी किया गया। परियोजना ''उत्तराखण्ड तथा हरियाणा से लार्वा परजीव्याभ, *एपेनटेलस* प्रजा. (हाइमेनोप्टेरा : ब्रैकोनिड़ी) की वर्गिकी तथा मेजबान रेंज पर अध्ययन'' के अंतर्गत *एपेनटेलस* प्रजा. का स्लाइड निर्माण तथा प्रजाति चिन्हीकरण प्रगति में है।
- एकत्रित नमूनों से अंड परजीव्याभों (ट्राइकोग्रामैटिडि, स्केलिओनिडि, यूलोफिडि तथा मायमैरिडि) के लगभग 40 नमूने प्राप्त किए गए। विभिन्न वानिकी वृक्षों : *टेक्टोना ग्रैंडिस, पौन्गेमिया पिन्नाटा, एजाडिरक्टा इंडिका* तथा *एकेशिया लेटिफोलिआ,* से पूर्व में 8 कीट अंड नमूने एकत्रित किए गए तथा उनके प्रयोगशाला पालन को जारी

रखा गया। 8 स्लाइड तैयार किए गए तथा प्रजाति स्तर तक चिन्हित किए गए जोकि इस प्रकार हैं : एफेलिनोडिए *लाँगिक्लावाटा, निओट्राइकोपोरोइड्स विरिडिमाक्यूलैट्स, पारासेनट्रोबिआ मैगनीक्लावाटा, ओलिगोसिटा नोविसैनग्विनी, ओलिगोसिटा मीरूटेनसिस, ओलिगोसिटा गिलवस, टेलेनोमस* प्रजा. तथा *यूफेन्स गुर्गाओनिनसिस*। *पोपलस डेल्टाइड्स* तथा *यूकेलिप्टस* प्रजा. पर अंड समूहों से *टेलेनोमस* कुल के स्केलिओनिडि वंश की 2 विभिन्न प्रजातियों का उद्‌गम हुआ। परियोजना ''उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोप्टेरन अंड परजीव्याभों की विविधता तथा मेजबान रेंज पर अध्ययन'' के अंतर्गत अंड परजीव्याभों का स्लाइड निर्माण तथा छायाचित्रण जारी है।

- विभिन्न वन प्रकारों के अंतर्गत तितलियों की प्रजातियों पर आंकड़ा संचय में नवीन तितलियों एवं खाद्य प्रजातियों को संकलित कर अद्यतन किया गया। परियोजना ''उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियों'' के अंतर्गत तितलियों की प्रत्येक प्रजाति का वन उप–प्रकारों के साथ भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र सृजित किया गया तथा राज्य में सभी प्रजातियों के लिए नाम अभिकल्पित किए गए और प्रारूप मॉडल के रूप में सृजित किए गए।
- सर्वेक्षण के दौरान बन ओक वृक्षों से लेपीडोप्टेरा की 4 प्रजातियों के लार्वा एकत्रित किए गए तथा उन्हें प्रयोगशाला में जीवन इतिहास अध्ययन के लिए पाला गया जबकि 20 शीत निष्क्रियता के अंतर्गत प्यूपल चरणों में हैं। परियोजना ''पश्चिमी हिमालय ओक के नाशी–कीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत सिराबिसिडि तना छेदक, *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीगिनोस,* के जीवन चक्र का अध्ययन प्रयोगशाला तथा क्षेत्र में रखे गए कुन्दों में किया जा रहा है।
- दराज संख्या 101, 102, 105, 106, 109, 113 तथा 115 में माइक्रो–लेपीडोप्टेरा, होमोप्ट्रेरा, आर्थोप्टेरा और आइसोप्टेरा की 611 प्रजातियों का डिजीटलीकरण किया गया तथा इन प्रजातियों के लगभग 1200 छायाचित्रों को संपादित तथा भंडारित किया गया। परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई.सी.) का डिजीटलीकरण एवं संवृद्धि, चरण–II (सूक्ष्म कीट)'' के अंतर्गत आंकड़ा संचय में संपादित प्रजातियों के लिए आंकड़ा–संचय को अद्यतन किया गया।
- वन अनुसंधान संस्थान तथा निकटवर्ती क्षेत्रों से टेरोमैलिड परजीव्याभ का एकत्रण किया गया। परियोजना ''कुछ चुनिंदा परजीव्याभों की जैव–प्रभावकारिता पर विशेष महत्व के साथ उत्तर भारत के टेरोमैलिड परजीव्याभ (हाइमेनोप्टेरा : टेरोमैलिड) का विविधता अध्ययन'' के अंतर्गत प्रयोगशाला में परजीव्याभ उद्‌गम हेतु मेजबान कीट चरणों का पालन जारी है।
- मुंधौल, त्यूणी तथा देहरादून के वनों में उगी *क्वर्कस सेमिकार्पिफोलिआ* (क्यू.एस.–19 तथा क्यू.एस.–20) की 2 आबादियों को उनके पर्णों में कुल फिनोलिक मात्रा निर्धारण हेतु पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।
- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित, 24 अनुक्रमों को समाविष्ट करने वाली *वैलेरियाना जटामांसी* की एक आबादी (ए.पी.10) को उनके प्रकदों में नियत वाष्पशील घटकों के लिए पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।
- *मेंगीफेरा इंडिका* संधिकाष्ठ को *पायक्नोपोरस सैनगिनिएस* तथा *ओलिगोपोरस प्लेसेंटा* के विरूद्ध कवक विषाक्तता प्रदर्शित करते हुए पाया गया।

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग/आयोजित	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	कृषि मेला	4–6 जनवरी 2019	शिवमोग्गा, कर्नाटक
शु.व.अ.सं., जोधपुर	पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2019	4–14 जनवरी 2019	जोधपुर
	किसान मेला	28 जनवरी 2019	केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
व.व.अ.सं., जोरहाट	विज्ञान प्रदर्शनी	29–30 जनवरी 2019	डिगबोई महाविद्यालय, असम

हस्तशिल्प उत्सव 2019

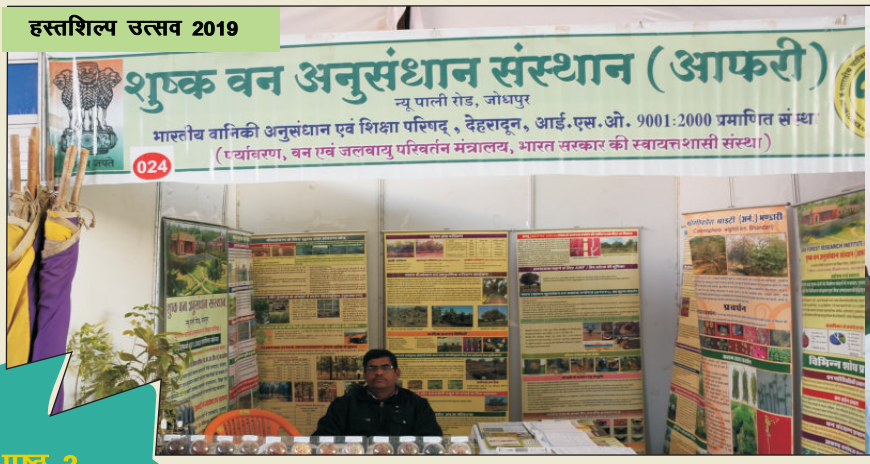

किसान मेला

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	विद्यालय छात्रों के मध्य वन एवं पर्यावरण के बारे में जागरूकता प्रसार हेतु गतिविधियों के कैलेण्डर को अंतिम रूप देना	4 जनवरी 2019	केन्द्रीय विद्यालय संगठन तथा नवोदय विद्यालय संगठन के उपायुक्त
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
2.	रोपित वनों की उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से काष्ठ मांग को सुरक्षित करना	29–30 जनवरी 2019	वैज्ञानिक, काष्ठ आधारित उद्योग, विभिन्न विश्वविद्यालयों से अकादमीशियन, अनुसंधान अध्येता, गैर सरकारी संगठन, काष्ठ उद्योगों का महासंघ, हस्तशिल्प कारीगर तथा वृक्ष उत्पादक कृषक

रोपित वनों की उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से काष्ठ माँग को सुरक्षित करने पर कार्यशाला

	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
3.	वन पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन पृथक्करण	17 जनवरी 2019	36 वैज्ञानिक, अधिकारी, तकनीकी कर्मी तथा अनुसंधान अध्येता
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
4.	बाँ.बे.व.अ.के. क्रियाकलाप तथा ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला को सुदृढ़ करना	22 जनवरी 2019	राष्ट्रीय बाँस मिशन के 06 अपर आयुक्त, बाँ.बे.व.अ.के., प्रमुख, वैज्ञानिक तथा राज्य वन विभाग के कार्मिक
5.	मेघालय में निर्वनीकरण के कारकों का चिन्हीकरण	29 जनवरी 2019	शैक्षणिक समुदाय से 32 प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन, वन एवं पर्यावरण विभाग, मेघालय सरकार सहित राज्य सरकारी विभाग सरकार आदि

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
6.	झारखण्ड में केन्दू की पत्तियों के वार्षिक उत्पादन की मात्रा और राजस्व उत्पन्न करने और इसके बेहतर प्रबंधन के लिए इसका विश्लेषण	5 जनवरी 2019	वैज्ञानिक तथा अधिकारी
7.	आर्द्र भूमि : संकट, प्रबंधन एवं पुनर्जीवन रणनीतियां	30 जनवरी 2019	वैज्ञानिक, अधिकारी अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता कर्मी
	वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद		
8.	वानिकी अनुप्रयोगों तथा अपशिष्ट/निम्नीकृत भूमियों के पुनर्जीवन में फ्लाई ऐश का उपयोग	19 जनवरी 2019	–

वानिकी अनुप्रयोगों तथा अपशिष्ट/निम्नीकृत भूमियों के पुनर्जीवन में फ्लाई ऐश का उपयोग

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	भारतीय परिदृश्य में वन प्रमाणीकरण	14–18 जनवरी 2019	14 राज्यों से 20 अधिकारी
2.	तटीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण एवं प्रबंधन	28 जनवरी–1 फरवरी 2019	तटरक्षक के 12 समादेशक

भारतीय परिदृश्य में वन प्रमाणीकरण पर प्रशिक्षण

तटीय परिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

3.	भा.वा.अ.शि.प. के तकनीकी कर्मियों को ''वानिकी में अनुसंधान पद्धति तथा सांख्यिकीय विधियां'' पर मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण	21–25 जनवरी 2019	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक तथा तकनीशियन

भा.वा.अ.शि.प. के तकनीकी कर्मियों को ''वानिकी में अनुसंधान पद्धति तथा सांख्यिकीय विधियां'' पर मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

4.	काष्ठ उत्पादन तथा उपयोजन में उन्नति	7–11 जनवरी 2019	17 भा.व.से. अधिकारी
5.	बाँस तकनीकी सहायता समूह (बी.टी.एस.जी.) भा.वा.अ.शि.प.	28 जनवरी – 1 फरवरी 2019	कर्नाटक, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश के 21 कृषक

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

6.	पादप ऊतक संवर्धन तकनीकियां तथा इनका अनुप्रयोग	19 दिसम्बर 2018 – 05 फरवरी 2019	कौशल विकास हेतु 16 बेरोजगार
7.	अकाष्ठ वन उत्पादों (पादप मूल) का मूल्य–वर्धन एवं विपणन : अकाष्ठ वन उत्पाद/औषधीय पादप	8–22 जनवरी 2019	कौशल विकास हेतु 19 बेरोजगार
8.	जनजातियों की निर्भरता के विशेष संदर्भ में सतपुड़ा पठार की जैवविविधता	10 जनवरी 2019	राज्य वन विभाग, कृषक तथा हर्बल आरोग्यक सहित 35 प्रतिभागी
9.	पर्यावरणीय जागरूकता तथा जैवविविधता संरक्षण	15 जनवरी 2019	16 छात्र
10.	पौधशाला तकनीकियां तथा जैविक खाद निर्माण	25 जनवरी 2019	100 छात्र

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

11.	जलवायु परिवर्तन तथा न्यूनीकरण में वानिकी	16 से 18 जनवरी 2019	जलोत्सारण विकास, भूमि जल बोर्ड, पी.एच.ई.डी., पी. डब्ल्यू. डी., पशुपालन विभाग, पुलिस विभाग,कृषि, जिला परिषद्, उद्यान, जल संसाधन विभाग तथा विद्युत विभाग से कार्मिक
12.	जैवविविधता तथा पारितंत्र सेवाएं	22 से 24 जनवरी 2019	

13.	अपशिष्ट प्रबंधन	11 दिसम्बर 2018 से 04 फरवरी 2019	17 बेरोजगार विज्ञान स्नातक

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

14.	बाँस प्रवर्धन, पौधशाला, रोपणी प्रबंधन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां	4 जनवरी 2019	फॉरेस्ट ट्रेनिंग स्कूल, मणिपुर से 42 प्रशिक्षु
15.	बाँस प्रवर्धन, पौधशाला, रोपणी प्रबंधन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां	9 से 10 जनवरी 2019	वन विभाग के 30 कर्मी, कृषक, गैर सरकारी संगठन,जे.एम.एफ.सी. सदस्य, छात्र, शिक्षक, हस्तशिल्पी आदि
16.	बाँस के मूल्य वर्धन पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण	12 जनवरी 2019	मिजोरम के 3 जिलों से 25 प्रशिक्षु
17.	लोगों के सतत विकास में वानिकी की भूमिका	24 से 25 जनवरी 2019	भारत के विभिन्न राज्यों से 20 भा.व.से. अधिकारी
18.	अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों हेतु बाँस एवं बाँस आधारित सम्मिश्र	29 जनवरी 2019	20 वैज्ञानिक, अकादमीशियन, प्रौद्योगिकीविद्, छात्र तथा शिक्षक

अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों हेतु बाँस एवं बाँस आधारित सम्मिश्र पर प्रशिक्षण

आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम विषय	चैनल	तिथि
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
''वन मिट्टी के स्वास्थ्य पर जंगल की आग का प्रभाव''	आकाशवाणी, देहरादून	13 जनवरी 2019
"दीमक एवं उसका नियंत्रण"	आकाशवाणी, देहरादून	30 जनवरी 2019
"औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती द्वारा आय सृजन"	आकाशवाणी, देहरादून	–

प्रकृति कार्यक्रम

- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत 21 जनवरी 2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय, बारगी के छात्रों के लिए पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.अ.के.–कौ.वि., छिंदवाड़ा ने ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत 29 जनवरी 2019 को केन्द्रीय विद्यालय–2, छिंदवाड़ा के छात्रों के लिए पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने जनवरी 2019 माह में निम्नलिखित कार्यक्रम/क्रियाकलाप आयोजित किए।
  - 28 जनवरी 2019 को, केन्द्रीय विद्यालय, क्रमांक 1, सेना जोधपुर के कक्षा 9वीं तथा 11वीं के 120 छात्रों को ''वन एवं पर्यावरण संरक्षण'' पर व्याख्यान दिया गया। संस्थान का विस्तार साहित्य भी छात्रों को प्रदान किया गया।
  - 29 जनवरी 2019 को, केन्द्रीय विद्यालय, क्रमांक 2, सेना, जोधपुर के कक्षा 6वीं तथा 9वीं के 272 छात्रों ने शु.व.अ.सं. का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारंभ में निदेशक, शु.व.अ.सं. तथा शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने छात्रों से वार्तालाप किया।
  - 30 जनवरी 2019 को, प्रिंसिपल जवाहर नवोदय विद्यालय, जोजावर (पाली) के कक्षा 6वीं से 12वीं के 487 छात्रों को ''वन एवं पर्यावरण संरक्षण'' पर एक व्याख्यान दिया गया। डॉ. जे.सी. कलुआवत को विस्तार साहित्य भी दिया गया। विद्यालय में शु.व.अ.सं. की अनुसंधान गतिविधियों को पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित करती एक प्रदर्शनी, वन उत्पाद, शु.व.अ.सं., पौधशाला में विकसित पौधे प्रस्तुत किए गए। 487 छात्र तथा विद्यालय के कर्मियों ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया। छात्रों को रोपण तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया।
  - 31 जनवरी 2019 को, केन्द्रीय विद्यालय (सेना) बनाड़, जोधपुर के कक्षा 9वीं तथा 11वीं के 118 छात्रों को ''वन एवं पर्यावरण संरक्षण'' पर एक व्याख्यान दिया गया। प्रधानाचार्य, श्री विष्णु दत्त टेलर को विस्तार सामग्री भी प्रदान की गई। विद्यालय में शु.व.अ.सं. की अनुसंधान गतिविधियों को पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित करती एक प्रदर्शनी, वन उत्पाद, शु.व.अ.सं., पौधशाला में विकसित पौधे प्रस्तुत किए गए। कक्षा 6वीं, 9वीं तथा 11वीं के 313 छात्रों तथा कर्मियों ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया।
  - व.उ.सं., रांची ने 5 जनवरी 2019 को ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत अवाहर नवोदय विद्यालय, मेसरा, रांची में ''पौधशाला अनुरक्षण'' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 46 अध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

पुरस्कार

- श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, निजी सचिव, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला को 26 जनवरी 2019 को व.अ.सं., देहरादून में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा उत्कृष्ट जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- व.व.अ.सं., जोरहाट के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों यथा बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन एवं बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि तथा कृमि खाद इत्यादि पर 9 जनवरी 2019 को जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। ब्लोमिंग लोटस स्कूल, टिटाबार के 26 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

परामर्शी :

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; उत्तराखंड जल विद्युत निमग लिमिटेड; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा तथा एन.एम.डी.सी. लि., हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 9 परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून वर्तमान में कार्य कर रहा है।

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री दिनेश पॉल, उप वन संरक्षक, हि.व.अ.सं., शिमला	01.01.2019

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. रंजना आर्य, वैज्ञानिक–'जी' शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.01.2019

प्रत्यावासन

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. आर. थंगा पांडियन, भा.व.से., उप वन संरक्षक, व.अ.सं., देहरादून	12.01.2019

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।

वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।